मन्ने कई बे अलख जगाई री तू करती नही सुनाई री लिरिक्स

मन्ने कई बे अलख जगाई री,
तू करती नही सुनाई री,
हे री योगी खड़ा द्वारे पे,
मेरे भिक्षा घालो माई री।bd।

हो अलख जगाना भिक्षा लाना,
यो स माई कर्म मेरा,
घर आये का मान राखना,
यो स माई धर्म तेरे,
कुछ करले धर्म कमाई री,
होवे बरकत थारे समाई री,
हे री योगी खड़ा द्वारे पे,
मेरे भिक्षा घालो माई री।bd।

हो मुँह क्यूँ फेर लिया माई तन्ने,
सुनके ने आवाज मेरी,
गुरु आदेश निभा जाऊं ए,
रखले माई लाज मेरी,
मेरी करदे दया भलाई री,
मैं गाउँ थारी बधाई री,
हे री योगी खड़ा द्वारे पे,
मेरे भिक्षा घालो माई री।bd।

हो जब तक भिक्षा नही मिलेगी,
तेरे ते नही जाऊंगा,
तन्ने भिक्षा की नाटी तो मैं,
जित्ते जी मर जाऊंगा,
मन्ने बहोत ए आस लगाई री,
इब करदे मन की चाही री,
हे री योगी खड़ा द्वारे पे,
मेरे भिक्षा घालो माई री।bd।

मन्ने कई बे अलख जगाई री,
तू करती नही सुनाई री,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

हे री योगी खड़ा द्वारे पे,
मेरे भिक्षा घालो माई री।bd।

गायक – सुमित कलानौरिया।
प्रेषक – शिवांगिनी ठाकुर।
8800892539

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com